- विषयसूची -

विषय	पृष्ठ
७ वेदनाभावविधान	**१-२७४**
वेदनाभावविधानमें तीन अनुयोगद्वारोंकी सूचना	१
भावका चार निक्षेपोमें अवतार और उनका खुलासा	१
यहाँ भाववेदनासे भावकर्म विवक्षित है	२
वेदनाभावविधानके कथनका प्रयोजन	३
तीन अनुयोगोंके नाम	३
पदमीमांसा, स्वामित्व और अलपबहुत्व	
पदका स्पष्टीकरण	३
भावकी अपेक्षा पदमीमांसा ।	४
ज्ञानावरणीयवेदनाकी भावकी अपेक्षा पदमीमांसा	१२
शेष सात कर्मोंकी भावकी अपेक्षा पदमीमांसा	१२
भावकी अपेक्षा स्वामित्व	१२
स्वामित्वके दो भेद व उनका समर्थन	१२
उत्कृष्ट ज्ञानावरणीय वेदनाका स्वामी	१३
अनुत्कृष्ट ज्ञानावरणीय वेदनाका स्वामी	१५
इसीप्रकार दर्शनावरणीय, मोहनीय और अन्तराय के जाननेकी सूचना	१६
उत्कृष्ट वेदनीय वेदनाका स्वामी	१६
अनुत्कृष्ट वेदनीय वेदनाका स्वामी	१८
इसीप्रकार नाम और गोत्रके जाननेकी सूचना	१८
उत्कृष्ट आयुवेदनाका स्वामी	१९
अनुत्कृष्ट आयुवेदनाका स्वामी	२१
जघन्य ज्ञानावरणीयवेदनाका स्वामी	२२
अजघन्य ज्ञानावरणीयवेदनाका स्वामी	२३
इसीप्रकार दर्शनावरण और अन्तरायके जाननेकी सूचना	२३
जघन्य वेदनीयवेदनाका स्वामी	२३
अजघन्य वेदनीयवेदनाका स्वामी	२६
जघन्य मोहनीयवेदनाका स्वामी	२६
अजघन्य मोहनीयवेदनाका स्वामी	२६
जघन्य आयुवेदनाका स्वामी	२६
अजघन्य आयुवेदनाका स्वामी	३१
जघन्य नामवेदनाका स्वामी	२८
अजघन्य नामवेदनाका स्वामी	२९
जघन्य गोत्रवेदनाका स्वामी	२९
अजघन्य गोत्रवेदनाका स्वामी	३०
अल्पबहुत्वके तीन भेद	३१
जघन्य पद	३१
जघन्य मोहनीयवेदनाका अल्पबहुत्व	३१
जघन्य अन्तरायवेदनाका अल्पबहुत्व	३२
जघन्य ज्ञानावरण और दर्शनावरण वेदनाका अल्पबहुत्व	३३
जघन्य आयुवेदनाका अल्पबहुत्व	३४
जघन्य गोत्रवेदनाका अल्पबहुत्व	३४
जघन्य नामवेदनाका अल्पबहुत्व	३५
जघन्य वेदनीयवेदनाका अल्पबहुत्व उत्कृष्ट पद	३६
उत्कृष्ट आयुवेदनाका अल्पबहुतव	३६
दो आवरण और अन्तरायवेदनाका अल्पबहुत्व	३७
उत्कृष्ट मोहनीयवेदनाका अल्पबहुत्व	३७
उत्कृष्ट नाम और गोत्र वेदनाका अल्पबहुत्व	३७
उत्कृष्ट वेदनीयवेदनाका अल्पबहुत्व	३८
जघन्य और उत्कृष्ट दोनोंका एकसाथ अल्पबहुत्व	३८
जघन्य मोहनीयवेदनाका अल्पबहुत्व	३८
जघन्य अन्तरायवेदनाका अल्पबहुत्व	३८
जघन्य दो आवरणवेदनाका अल्पबहुत्व	३८
जघन्य आयुवेदनाका अल्पबहुत्व	३८
जघन्य नामवेदनाका अल्पबहुत्व	३९
जघन्य गोत्रवेदनाका अल्पबहुत्व	३९
जघन्य वेदनीयवेदनाका अल्पबहुत्व	३९
उत्कृष्ट आयुवेदनाका अल्पबहुत्व	३९
उत्कृष्ट दो आवरण और अन्तरायवेदनाका अल्पबहुत्व	३९

विषय	पृष्ठ
उत्कृष्ट मोहनीयवेदनाका अल्पबहुत्व	३९
उत्कृष्ट नाम और गोत्रवेदनाका अल्पबहुत्व	३९
उत्कृष्ट वेदनीय वेदनाका अल्पबहुत्व	४०
उत्तर प्रकृतियोंकी अपेक्षा अल्पबहुत्व	४०
सातावेदनीय आदि प्रकृतियोंका अल्पबहुत्व	४०
आठ कषाय आदि प्रकृतियोंका अल्पबहुत्व	४२
अयश:कीर्ति आदि प्रकृतियोंका अलपबहुत्व	४४
चौंसठ पदवाला उत्कृष्ट महादण्डक	४४
उत्तर प्रकृतियोंका स्वस्थान उत्कृष्ट अल्पबहुत्व	६०
तीन गाथाओं द्वारा संज्वलन चतुष्क आदि प्रकृतियोंका अल्पबहुत्व	६५
चौंसठ पदवाला जघन्य महादण्डक	६५
उत्तर प्रकृतियोंका स्वस्थान जघन्य अल्पबहुत्व	७५
प्रथम चूलिका	**७८-८७**
दो सूत्र गाथाओंद्वारा गुणश्रेणि निर्जराके ग्यारह स्थान और काल	७८
अलग अलग सूत्रों द्वारा गुणश्रेणि निर्जराका विचार	८०
अलग अलग सूत्रों द्वारा गुणश्रेणि निर्जराके कालका विचार	८५
द्वितीय चूलिका	**८७-२४०**
अनुभागबन्धाध्यवसानस्थानमें १२ अनु-योगद्वारोकी सूचना	८७
बारह अनुयोगद्वारोंके नाम व उनकी सार्थकता	८८
एक एक स्थानमें कितने अविभागप्रतिच्छेद होते हैं	९१
अनुभागका विशेष खुलासा	९१
अविभागप्रतिच्छेदका स्पष्टीकरण	९२
द्रव्यार्थिकनयकी अपेक्षा जघन्य स्थानमें अविभाग प्रतिच्छेदोंका विचार	९२
वर्गका संदृष्टिपूर्वक विचार	९३
वर्गणाविचार	९५
स्पर्धकविचार	९६
अविभागप्रतिच्छेदकी त्रिविध प्ररूपणाकी प्रतिज्ञा	९९
वर्गणाप्ररूपणाके तीन प्रकार व उनका विवेचन	९९
स्पर्धक प्ररूपणाके तीन प्रकार व उनका विवेचन	१००
अन्तरप्ररूपणाके तीन प्रकार व उनका विवेचन	१०१
परमाणुओंमें अविभागप्रतिच्छेदोंका आरोपकर जघन्य स्थानमें प्रदेशप्ररूपणा	१०१
प्रदेशप्ररूपणामें छह अनुयोगद्वारोंके नाम व संदृष्टिपूर्वक उनका विवेचन करनेकी प्रतिज्ञा	१०१
प्ररूपणा	१०१
प्रमाण	१०२
श्रेणिप्ररूपणाके दो भेद व उनका विचार	१०२
अवहारविचार	१०४
भागाभागका अवहारके समान जाननेकी सूचना	११०
अल्पबहुत्वविचार	११०
स्थानप्ररूपणा	१११
स्थानपदकी व्याख्या	१११
स्थानके दो भेद व उनका लक्षणपूर्वक विशेष विचार	१११
अन्तरप्ररूपणा	११४
अन्तरप्ररूपणाकी सार्थकता	११४
स्थानान्तरका स्वरूप	११४
अनुभागबन्धस्थानान्तर योगस्थानान्तरोंके समान नहीं हैं इसका विचार	११५
जघन्य स्थानसे द्वितीय स्थानके प्रमाणका विचार व उनमें स्पर्धक प्ररूपणा	११९
आगे भी तृतीयादि स्थानोंके प्रमाणका विचार	१२०
जघन्यादि स्थानोंमें षट्स्थान प्ररूपणा व स्थानोंका अल्पबहुत्व	१२०
काण्डकप्ररूपणा	१२८
काण्डकप्ररूपणाके प्रसंगसे अनुभागबन्ध और अनुभागसत्कर्मका अल्पबहुत्व	१२८
काण्डकशलाकाओंका प्रमाण	१३२
अनन्तभागवृद्धि आदिका प्रमाण	१३३
अनन्तभागवृद्धि आदिका अल्पबहुत्व	१३३
ओजयुग्मप्ररूपणा	१३४

विषय	पृष्ठ
षट्स्थानप्ररूपणा	१३५
अनन्तभागवृद्धिविचार	१३५
असंख्यातभागवृद्धिविचार	१५१
संख्यातभागवृद्धिविचार	१५४
संख्यातगुणवृद्धिविचार	१५५
असंख्यातगुणवृद्धिविचार	१५६
अनन्तगुणवृद्धिविचार	१५७
जघन्यादि स्थानोंमें अनन्तभागवृद्धि आदिका विचार	१५८
जघन्य स्थानमें अनन्तभागवृद्धि आदिकी प्रमाणप्ररूपणा	१८९
प्रथम अष्टांकसे लेकर ऊर्वंकतक प्राप्त होनेवाली अनन्तगुणवृद्धिके विषयमें तीन अनुयोगद्वारोंकी प्ररूपणा	१९१
अधस्तनस्थानप्ररूपणा	१९३
समयप्ररूपणा	२०२
चार समयवाले आदि अनुभागबन्धाध्यव-सानस्थानोंका प्रमाण	२०२
चार समयवाले आदि सब अनुभागबन्धा-ध्यवसान स्थानोंका अल्पबहुत्व	२०५
प्रसंगसे अग्निकायिक, कायस्थिति व अनु-भागस्थानोंका अल्पबहुत्व	२०८
वृद्धिप्ररूपणा	२०९
छह वृद्धि और छह हानियोंके अवस्थानकी प्रतिज्ञा	२०९
पाँच वृद्धि और पांच हानियोंका काल	२०९
अनन्तगुणवृद्धि और अनन्तगुणहानिका काल	२१०
कालविषयक अल्पबहुत्व	२११
यवमध्यप्ररूपणा	२१२
पर्यवसानप्ररूपणा	२१३
अल्पबहुत्वप्ररूपणा	२१४
अनन्तरोपनिधाकी अपेक्षा अल्पबहुत्व विचार	२१४
परम्परोपनिधाकी अपेक्षा अल्पबहुत्व विचार	२१७
अनुभागसत्कर्मस्थानविचार	२१९
अनुभागबन्धस्थानसे अनुभागसत्कर्ममें क्या अन्तर है उसका विचार	२१९
घातस्थानोंकी प्ररूपणा	२२०
दो प्रकारके घातपरिणामोंका विचार	२२०
सत्त्वस्थान कहाँ होते हैं इसका विचार	२२१
प्रथमादि परिपाटी क्रमसे हतसमुत्पत्तिस्थानोंका विचार	२२६
हतहतसमुत्पत्तिस्थानविचार	२३२
स्थितिस्थानोंमें अपुनरुक्त स्थानोंका विचार	२३४
बन्धसमुत्पत्ति आदि स्थानोंका अल्पबहुत्व	२४०
तीसरी चूलिका	**२४१-२७४**
जीव समुदाहारमें आठ अनुयोगद्वार	२४१
जीवसमुदाहार और आठ अनुयोगद्वारोंकी सार्थकता	२४१
एकस्थान जीवप्रमाणानुगमविचार	२४२
निरन्तरस्थान जीवप्रमाणानुगमविचार	२४२
सान्तरस्थान जीवप्रमाणानुगमविचार	२४५
नानाजीवकालप्रमाणानुगम	२४५
वृद्धिप्ररूपणा और उसके दो अनुयोगद्वार	२४६
अनन्तरोपनिधाविचार	२४७
परम्परोपनिधाविचार	२६३
यवमध्यप्ररूपणा	२६६
स्पर्शनविचार	२६७
अल्पबहुत्वविचार	२७२
८ वेदनाप्रत्ययविधान	**२७५-२९३**
वेदनाप्रत्ययविधान कहनेकी प्रतिज्ञा व उसकी सार्थकता	२७५
नैगम, संग्रह और व्यवहारनयसे ज्ञानावरणके प्राणातिवादप्रत्ययका विचार	२७५
मृषावादप्रत्ययका विचार	२७९
अदत्तादानप्रत्ययका विचार	२८१

विषय	पृष्ठ
मैथुनप्रत्ययका विचार	२८२
परिग्रहप्रत्ययका विचार	२८२
रात्रिभोजनप्रत्यका विचार	२८२
क्रोध, मान आदि प्रत्ययोंका विचार	२८३
निदानप्रत्ययका विचार	२८४
अभ्याख्यान, कलह आदि प्रत्ययोंका विचार	२८५
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके प्रत्ययोंको जाननेकी सूचना	२८७
ऋजुसूत्रनयसे, ज्ञानावरणीयके प्रत्यय	२८८
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके प्रत्ययोंको जाननेकी सूचना	२९०
शब्दनयकी अपेक्षा ज्ञानावरणके प्रत्ययोंका विचार	२९०
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके प्रत्ययोंको जाननेकी सूचना	२९३
९ वेदनास्वामित्वविधान	**२९४-३०१**
वेदनास्वामित्वविधानकी प्रतिज्ञा व उसकी सार्थकता	२९४
नैगम और संग्रहनयकी अपेक्षा ज्ञानावरणका स्वामी	२९५
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंका स्वामी	२९९
संग्रहनयकी अपेक्षा ज्ञानावरणका स्वामी	२९९
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंका स्वामी	३००
शब्द और ऋजुसूत्रनयकी अपेक्षा ज्ञानावरणका स्वामी	३००
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंका स्वामी	३०१
१० वेदनावेदनाविधान	**३०२-३६३**
वेदनावेदनविधानकी प्रतिज्ञा और सार्थकता	
नैगमनयकी अपेक्षा सभी कर्मप्रकृति हैं ऐसी प्रतिज्ञा	३०२-३०४
ज्ञानावरण कर्म बध्यमान, उदीर्ण और उपशान्त एक और नाना प्रत्येक व संयोगी भंग रूप कैसे हैं इसका अलग अलग विचार	३०४
इसी प्रकार सात कर्मोंको जाननेकी सूचना	३४२
व्यवहारनयकी अपेक्षा ज्ञानावरण कर्मके भंगोंका अलग अलग विचार	३४३
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके जाननेकी सूचना	३५६
संग्रहनयकी अपेक्षा ज्ञानावरण कर्मके भंगोंका अलग अलग विचार	३५६
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके जाननेकी सूचना	३६२
ऋजुसूत्र नयकी अपेक्षा ज्ञानावरणीय वेदना एकमात्र उदीर्ण है इसका विचार	३६२
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके जाननेकी सूचना	३६३
शब्दनयकी अपेक्षा अवक्तव्य है इसका विचार	३६३
११ वेदनागतिविधान	**३६४-३६९**
वेदनागतिविधानकी प्रतिज्ञा व सार्थकता	३६४
नैगम, संग्रह और व्यवहारनयकी अपेक्षा ज्ञानावरणीयवेदना अवस्थित और स्थिता-स्थितरूप है इसका विचार	३६५
इसी प्रकार दर्शनावरण, मोहनीय और अन्तरायके जाननेकी सूचना	३६७
वेदनीयवेदना स्थित, अस्थित और स्थितास्थित है इसकी सिद्धि	३६७
इसी प्रकार आयु, नाम और गोत्रके जाननेकी सूचना	३६८
ऋजुसूत्रनयकी अपेक्षा ज्ञानावरणवेदना स्थित और अस्थित है इसका विचार	३६८
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके जाननेकी सूचना	३६९
शब्दनयकी अपेक्षा आठों कर्मोंकी वेदना अवक्तव्य है इसका विचार	३६९
१२ वेदनाअनन्तरविधान	**३७०-३७४**
वेदना अनन्तरविधानके कहनेकी प्रतिज्ञा और सार्थकता	३७०
नैगम और व्यवहारनयकी अपेक्षा ज्ञानावरण वेदना अनन्तरबन्ध, परम्पराबन्ध और तदुभयबन्धरूप है इसका विचार	३७१

विषय	पृष्ठ
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके जाननेकी सूचना	३७२
संग्रहनयकी अपेक्षा ज्ञानावरणवेदना अनन्तरबन्ध और परम्पराबन्ध रूप है इसका विचार	३७२
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके जाननेकी सूचना	३७३
ऋजुसुत्रनयकी अपेक्षा ज्ञानावरणवेदना परम्परा बन्धरूप है इसका विचार	३९३
इसी प्रकार शेष सात कर्मोंके जाननेकी सूचना	३७४
शब्दनयकी अपेक्षा आठों कर्मोंकी वेदना अवक्तव्य है इसका विचार	३७४
१३ वेदनासन्निकर्षविधान	**३७५-४७६**
वेदनासन्निकर्षके दो भेद व उनकी सार्थकता स्वस्थान सन्निकर्षके दो भेद	३७६
जघन्य स्वस्थान सन्निकर्षके स्थगित करनेका कारण	३७६
उत्कृष्ट स्वस्थान सन्निकर्षके चार भेद	३७६
जिसके ज्ञानावरण वेदना द्रव्यसे उत्कृष्ट होती है उसके क्षेत्र आदिकी अपेक्षा कैसे होती है उसका विचार	३७७
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना क्षेत्रसे उत्कृष्ट होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसे होती है इसका विचार	३८१
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना कालकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके द्रव्यादिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	३८७
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना भावकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके द्रव्यादिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	३९१
इसी प्रकार दर्शनावरण, मोहनीय और अन्तरायके जाननेकी सूचना	३९५
जिसके वेदनीयवेदना द्रव्यकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके क्षेत्र आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	३९६
जिसके वेदनीयवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	३९७
जिसकी वेदनीयवेदना कालकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४०१
जिसकी वेदनीयवेदना भावकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४०२
इसी प्रकार नाम और गोत्रकर्मके जाननेकी सूचना	४०४
जिसके आयुवेदना द्रव्यकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके क्षेत्र आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४०५
जिसके आयुवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके द्रव्च्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४०७
जिसके आयुवेदना कालकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४०८
जिसके आयुवेदना भावकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४११
जघन्य स्वस्थानवेदनासन्निकर्ष चार प्रकारका है	४१३
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना द्रव्यकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके क्षेत्र आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४१४
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४१५
जिसके ज्ञानावरणीय वेदना कालकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४१८

विषय	पृष्ठ
जिसके ज्ञानावरणीय वेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है, उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है उसका विचार	४२०
इसी प्रकार दर्शनावरणीय, मोहनीय और अनतरायके जाननेकी सूचना	४२१
जिसके वेदनीयवेदना द्रव्यकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके क्षेत्र आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४२२
जिसके वेदनीयवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४२३
जिसके वेदनीयवेदना कालकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४२४
जिसके वेदनीयवेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४२६
जिसके आयुवेदना द्रव्यकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके क्षेत्र आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४२७
जिसके आयुवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४२९
जिसके आयुवेदना कालकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४३०
जिसके आयुवेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४३१
जिसके नामवेदना द्रव्यकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके क्षेत्र आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४३३
जिसके नामवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४३४
जिसके नामवेदना कालकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४३६
जिसके नामवेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४३७
जिसके गोत्रवेदना द्रव्यकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके क्षेत्र आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४३९
जिसके गोत्रवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४४०
जिसके गोत्रवेदना कालकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४४१
जिसके गोत्रवेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके द्रव्य आदिकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४४३
परस्थानवेदनासन्निकर्षके दो भेद	४४४
जघन्य परस्थानवेदनासन्निकर्षको स्थगित करनेकी सूचना	४४४
उत्कृष्ट परस्थानवेदनासन्निकर्षके चार भेद	४४५
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना द्रव्यकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके छह कर्मोंकी द्रव्यवेदना कैसे होती है इसका विचार	४४५
उसके आयुवेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४४७
ज्ञानावरणीयके समान आयुके सिवा शेष छह कर्मोंके जाननेकी सूचना	४४७
जिसके आयुवेदना द्रव्यकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके सात कर्मोंकी वेदना कैसी	

विषय	पृष्ठ
होती है इसका विचार	४४८
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके दर्शनावरण, मोहनीय, और अन्तरायकर्मकी वेदना क्षेत्रकी अपेक्षा कैसी होती है उसका विचार	४४९
उसके वेदनीय, आयु, नाम और गोत्र कर्मकी वेदना क्षेत्रकी अपेक्षा कैसी होती है उसका विचार	४४९
इसी प्रकार दर्शनावरण, मोहनीय और अन्त-रायकी अपेक्षा जाननेकी सूचना	४५०
जिसके वेदनीयवेदना क्षेत्रकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके ज्ञानावरण, दर्शनावरण, मोहनीय और अन्तरायकी वेदना क्षेत्रकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५०
उसके आयु, नाम और गोत्रकी वेदना क्षेत्रकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५०
इसी प्रकार आयु नाम और गोत्रकी अपेक्षा सन्निकर्षका विचार	४५१
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना कालकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके आयुके सिवा छह कर्मोंकी वेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचवार	४५१
उसके आयुवेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५२
इसी प्रकार आयुके सिवा छह कर्मोंकी मुख्यतासे सन्निकर्षके जाननेकी सूचना	४५३
जिसके आयुवेदना कालकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके सात कर्मोंकी वेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५३
जिसके ज्ञानावरणीय वेदना भावकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके दर्शनावरण, मोहनीय और अन्तरायवेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५५
उसके वेदनीय, आयु, नाम और गोत्र वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५५
इसी प्रकार दर्शनावरणीय, मोहनीय और अन्तरायकी मुख्यतासे जाननेकी सूचना	४५६
जिसके वेदनीयवेदना भावकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके ज्ञानावरण, दर्शनावरण और अन्तराय वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५६
उसके मोहनीय वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५७
उसके आयुवेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५८
उसके नाम और गोत्रवेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५९
इसी प्रकार नाम और गोत्रकी मुख्यतासे जाननेकी सूचना	४५९
जिसके आयुवेदना भावकी अपेक्षा उत्कृष्ट होती है उसके सात कर्मोंकी वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४५९
परस्थान वेदना सन्निकर्षके कथन करनेकी सूचना	४६०
जिसके ज्ञानावरणीयवेदना द्रव्यकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके दर्शनावरण और अन्तरायकी वेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६०
उसके वेदनीय, नाम और गोत्रवेदना द्रव्य की अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	
उसके मोहनीयवेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६२
उसके आयुवेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६२
ज्ञानावरणके समान दर्शनावरण और अनतरायकी मुख्यतासे सन्निकर्षके जाननेकी सूचना	४६३
जिसके वेदनीयवेदना द्रव्यकी अपेक्षा	

विषय	पृष्ठ
जघन्य होती है उसके ज्ञानावरण, दर्शनावरण, मोहनीय और अन्तरायकी वेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६३
उसके आयुवेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६३
उसके नाम और गोत्र वेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६४
वेदनीयके समान नाम और गोत्रकी मुख्यतासे सन्निकर्षके जाननेकी सूचना	४६५
जिसके मोहनीय वेदना द्रव्यकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके आयुके सिवा शेष छह कर्मोंकी वेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६५
उसके आयुवेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६५
जिसके आयुवेदना द्रव्यकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके शेष सात कर्मोंकी वेदना द्रव्यकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६६
जिसके ज्ञानावरणीय वेदना क्षेत्रकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके शेष सात कर्मोंकी वेदना क्षेत्रकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६८
ज्ञानावरणके समान शेष सात कर्मोंकी मुख्यतासे क्षेत्रकी अपेक्षा सन्निकर्षके जाननेकी सूचना	४६९
जिसके ज्ञानावरणीय वेदना कालकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके दर्शनावरण और अन्तरायवेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६९
उसके वेदनीय, आयु, नाम और गोत्रवेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४६९
उसके मोहनीय वेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७०
ज्ञानावरणके समान दर्शनावरण और अन्तरायकी मुख्यातसे सन्निकर्ष जाननेकी सूचना	४७०
जिसके वेदनीय वेदना कालकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके ज्ञानावरण, दर्शनावरणा, मोहनीय और अन्तराय वेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७०
उसके आयु, नाम और गोत्र वेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७०
वेदनीयके समान आयु, नाम और गोत्रकी मुख्यतासे सन्निकर्ष जाननेकी सूचना	४७१
जिसके मोहनीय वेदना कालकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके सात कर्मोंकी वेदना कालकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७१
जिसके ज्ञानावरणीय वेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके दर्शनावरण और अनतराय वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७१
उसके वेदनीय, आयु, नाम और गोत्रवेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७२
उसके मोहनीय वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७३
ज्ञानावरणके समान दर्शनावरण और अन्तरायकी मुख्यतासे सन्निकर्ष जाननेकी सूचना	४७३
जिसके वेदनीयवेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय मोहानीय और अन्तरायवेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७३
उसके आयु, नाम और गोत्रवेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७३
जिसके मोहनीय वेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके सात कर्मोंकी वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७४
जिसके आयुवेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके छह कर्मोंकी वेदना भावकी	

विषय	पृष्ठ
अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७४
उसके नामवेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७५
जिसके नामवेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके आयुके सिवा शेष छह कर्मोंकी वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७५
उसके आयुवेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७५
जिसके गोत्रवेदना भावकी अपेक्षा जघन्य होती है उसके सात कर्मोंकी वेदना भावकी अपेक्षा कैसी होती है इसका विचार	४७६
१४ वेदनापरिमाणविधान	**४७७-५००**
वेदनापरिमाणविधान कहनेकी सूचना व स्पष्टीकरण	४७७
उसके तीन अनुयोगद्वार और स्पष्टीकरण	४७८
प्रकृत्यर्थताकी अपेक्षा दो आवरण कर्मोंकी प्रकृतियाँ	४७८
वेदनीयकर्मकी प्रकृतियाँ	४७९
मोहनीयकर्मकी प्रकृतियाँ	४८१
आयुकर्मकी प्रकृतियाँ	४८२
नामकर्मकी प्रकृतियाँ	४८३
गोत्रकर्मकी प्रकृतियाँ	४८४
अन्तराय कर्मकी प्रकृतियाँ	४८५
समयप्रबद्धार्थताकी अपेक्षा दो आवरण कर्म और अन्तराय कर्मकी प्रकृतियाँ	४८५
वेदनीय कर्मकी प्रकृतियाँ	४८७
मोहनीय कर्मकी प्रकृतियाँ	४९०
आयुकर्मकी प्रकृतियाँ	४९१
नामकर्मकी प्रकृतियाँ	४९२
गोत्र कर्मकी प्रकृतियाँ	४९६
क्षेत्रप्रत्यासकी अपेक्षा ज्ञानावरणीयकी प्रकृतियाँ	४९७
इसी प्रकार दर्शनावरण, मोहनीय और अन्तरायकी प्रकृतियाँ जाननेकी सूचना	४९८
वेदनीय कर्मकी प्रकृतियाँ	४९९
इसी प्रकार आयु, नाम और गोत्रकर्मकी प्रकृतियाँ जाननेकी सूचना	५००
१५ वेदनाभागाभागविधान	**५०१-५०८**
वेदनाभागाभाग विधानकी सूचना व तीन अनुयोगद्वार	५०१
प्रकृत्यर्थताकी अपेक्षा ज्ञानावरण और दर्शनावरण प्रकृतियोंका भागाभाग	५०१
शेष छह कर्मोंका भागाभाग	५०४-५०८
समयप्रबद्धार्थताकी अपेक्षा ज्ञानावरण और दर्शनावरण प्रकृतियोंका भागाभाग	५०४
शेष छह कर्मोंका भागाभाग	५०५
क्षेत्र प्रत्यासकी अपेक्षा ज्ञानावरणका भागाभाग	५०६
इसी प्रकार दर्शनावरण, मोहनीय और अन्तराय कर्म के भागाभागकी सूचना	५०७
वेदनीय कर्मका भागाभाग	५०७
इसी प्रकार आयु, नाम और गोत्र कर्मका भागाभाग	५०८
१६ वेदना अल्पबहुत्व	**५०९-५१२**
वेदना अल्पबहुत्वकी सूचना व तीन अनुयोगद्वार	५०९
प्रकृत्यर्थताकी अपेक्षा आठों कर्मोंका अल्पबहुत्व	५०९
समय प्रबध्दार्थताकी अपेक्षा आठों कर्मोंका अल्पबहुत्व	५१०
क्षेत्र प्रत्यासकी अपेक्षा आठों कर्मोंका अल्पबहुत्व	५११